

चरणों ^{sss} में तेरे ^{sss} मर्क ^{sss} जबसे ^{sss} मैं आया ॥2॥
 लगने ^{sss} लगा मर्क ^{sss} को मैंने है पाया ॥3॥

मर्क ^{sss} के ^{sss} खजाने से जो भी मिला है ॥2॥
 न मुझको है शिकवा ^{sss} न दिल में गिला है ^{sss} ॥2॥
 अपनों से मिलकर बहुत चोट ^{sss} खाया ॥2॥

लगने ^{sss} लगा... ॥3॥ चरणों ^{sss} में... ॥2॥

भटका ^{sss} था दर-दर तेरे वास्ते मर्क ^{sss} ॥2॥
 ये दुनियाँ ^{sss} क्यों भूली ^{sss} भटो रास्ते मर्क ^{sss} ॥2॥
 सबको ^{sss} दिखा दो, मर्क ^{sss} पल भर की माया ॥2॥

लगने ^{sss} लगा... ॥3॥ चरणों ^{sss} में... ॥2॥

भलाई ^{sss} की बातें न सुनते यहाँ ^{ss} ॥2॥
 चिन्ता ^{sss} में डूबा है सारा जहाँ ॥2॥
 दे-दे सभी को मर्क ^{sss} करुणा की हाया ॥2॥

लगने ^{sss} लगा... ॥3॥ चरणों ^{sss} में... ॥2॥

ये विधियाँ ^{sss} विधिवत् जहाँ हो रही हैं ॥2॥
 विधाता की हाया वहाँ हो रही है ॥2॥
 मर्क ^{sss} ने "श्री बाबा श्री" ही को, बालक बनाया ॥2॥

लगने ^{sss} लगा मर्क ^{sss} ... ॥3॥

चरणों ^{sss} में तेरे ^{sss} ... ॥2॥